युवाओं के उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्त्रोत है। उनके "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" के संदेश को युवा आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे अपनी भीतर की शक्ति और क्षमता को पहचाने और अपने सपनों को पूरा करते हुए सफलता की नई उंचाईयों को छुएं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए पूर्ण रूप प्रतिबद्ध है।

शर्मा रविवार को एस.एम.एस. स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को महोत्सव में पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आसमान में एक लम्बी उड़ान भरे। प्रदेश का हर युवा विकसित राजस्थान की दिशा में पूरी क्षमता के साथ काम करे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चार जातियां-युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्ती और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एस.एम.एस. स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय युवा महोत्सव के समापन पर 11 युवाओं को यूथ आइकॉन से सम्मानित किया।

- ‘युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार’
- ‘व्यावसायिक और उद्योग आधारित शिक्षा को किया प्रोत्साहित’

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे समाज के सबसे बड़े स्तंभ हैं। हमारे युवा जिस देश और प्रदेश में गए हैं, उन्होंने मेहनत कर राजस्थान का नाम रोशन किया है। आज विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी हुनर और प्रतिभा से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई देशों को प्रदेश में भाषाई संस्थान खोलने के लिए आमंत्रित किया है ताकि हमारी युवा प्रतिभाएं विदेशी भाषाओं में पारंगत होकर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सके। हम युवाओं की शैक्षिणक योग्यता के साथ ही, कौशलपरक योग्यता तथा अभिरूचि के संबंध में पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण भी करेंगे। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत किए गए एमओयू के माध्यम से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में युवाओं के कौशल विकास और उनके लिए रोजगार के अवसरों के सृजन हेतु कई महत्वपूर्ण पहल की है। राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नई शाखाओं की शुरुआत भी की गई है, ताकि हमारे विद्यार्थियों को व्यावसायिक और उद्योग आधारित शिक्षा मिल सके। अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेटर और एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी के तहत हमने युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 144 कैम्पस प्लेसमेंट शिविर आयोजित कर करीब 30 हजार युवाओं का चयन और करीब 10 हजार युवाओं को करियर के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

शर्मा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में प्रदेश के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीतकर पूरे राज्य का सिर गर्व से ऊंचा किया। अब हम मिशन ओलिंपिक 2028 पर काम करते हुए 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नई खेल नीति तैयार कर रही है जिसमें खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, परामर्श और पोषण का समावेश होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण बालिकाओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार जयपुर, भरतपुर और उदयपुर में आवासीय बालिका खेल संस्थान स्थापित करेंगी। साथ ही, एक जिला-एक खेल योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में प्रचलित खेलों की अकादमी भी स्थापित की जा रही है। हम ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदान के निर्माण पर प्राथमिकता से कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए शीघ्र ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर के प्रिंस तिवारी, तनु प्रजापत, धर्मा जाट, प्रिया राठौड़, यश गर्ग, अलवर के जयदीप पांचाल, झुंझुनूं की पूजा शर्मा एवं वंशिका शर्मा, नागौर के नितेश कुमार शर्मा, अजमेर की गौरी माहेश्वरी और भीलवाड़ा के युधिष्ठिर मीणा को यूथ आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित किया। पुरस्कार में 1 लाख रूपये की धनराशि, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार ने युवाओं को शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई कदम उठाए हैंय

तेज सर्दी के कारण जयपुर में आठवीं कक्षा तक के सभी स्कूल बंद किये

रविवार को दूसरे दिन भी सुबह से ही घना कोहरा और बादल छाये रहने से कड़ाके की ठंड पड़ी और सूर्यदेव भी कोहरे की ओट में छिपे नजर आये।

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में बीते दिनों हुई मावठ के बाद तेज सर्दी और शीतलहर का असर बढ़ गया है। इसे देखते हुए जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने 13 जनवरी तक कक्षा 1 से आठवीं तक के बच्चों की छुट्टी कर दी है। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने 13 जनवरी यानी स्कूलों में अवकाश रखने के आदेश जारी किए है। ये छुट्टी कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों की रहेगी। लगातार तीन दिन छुट्टी होने से बच्चे पूरी तरह पतंगबाजी का मजा ले सकेंगे।

दरअसल, जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी ने 13 जनवरी को शीतलहर और कोहरे का अलर्ट देखते हुए छुट्टी घोषित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा ने आदेश जारी करते हुए कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों की सभी स्कूल (सरकारी और प्राइवेट) में छुट्टी रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, 14 जनवरी को भी मकर संक्रांति को जिला कलेक्टर की तरफ से सभी के लिए छुट्टी है। ऐसे में संभावना है कि 15 जनवरी को जयपुर में बारिश-ओलावृष्टि होने और तेज सर्दी होने की संभावना को देखते हुए छुट्टी की अवधि को 15 या उससे आगे तक बढ़ाया जा सकता है।

- मावठ से हाड़कंपाने वाली सर्दी व शीतलहर का असर बढ़ा, कोहरे ने घटाई दृश्यता
- रविवार को दिनभर सूर्यदेव भी कोहरे और बादलों की ओट में छिपे नजर आए

दरअसल पिछले दिनों राजधानी जयपुर में हुई मावठ के कारण बीते 2 दिनों में तेज सर्दी का सितम बढ़ गया है। रविवार को भी दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। कोहरे और बादलों के बीच दिनभर सूर्यदेव ऐसे नजर आए, जैसे कोई चंद्रमा। लोग सर्दी से बचने के लिए अब अलाव तापते नजर आ रहे है। सुबह-शाम के समय कोहरे के कारण दृश्यता 30-40 फीट भी नजर नहीं आ रही। ऐसे में सबसे ज्यादा दिक्कतें वाहन चालकों को हो रही है।

टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए प्रशिक्षण आज

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में सोमवार को प्रात: 9.30 बजे जयपुर स्थित होटल द ललित में टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी।

शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने बताया कि हाल ही में अक्टूबर में आयोजित राईजिंग राजस्थान प्री-समिट पर्यटन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मंच से ही इस तरह के आयोजन किए जाने के निर्देश दिए थे। जिस पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और सीएमडी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप ने ऐसा करने की सहमति दी थी।

रवि जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री की इस विजनरी सोच की पालना में पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार तथा द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में उक्त एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन को किया जा रहा है।

पर्यटन सचिव ने बताया कि इस कार्यक्रम में टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों क्षमता संवर्धन के विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे जिन्हें विषय विशेषज्ञ सम्बोधित करेंगे।

पौषबडा का आयोजन

जयपुर। पानीपेच के नेहरू नगर विकास समिति द्वारा वार्षिक उत्सव पानीपेच झोटवाड़ा रोड स्थित श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित हुआ। विकास समिति प्रचार प्रसार मंत्री महेश सैनी ने बताया कि नवनिर्वाचित नेहरू नगर विकास समिति अध्यक्ष ताराचंद गुप्ता एवं कार्यकारिणी के द्वारा 7वाँ वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में पौष बडा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंदिर में विराजे देवी देवताओं को देसी घी मूंग का हलवा एवं दाल की पकौड़ी का भोग लगाकर एवं अलौखिक श्रृंगार के द्वारा रिझाया गया। संध्याकाल को स्थानीय नेहरू नगर वासियों ने पंगत प्रसादी ली। मुख्य अतिथि के रूप में सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा उपस्थित हुए। नेहरू नगर विकास समिति द्वारा विधायक का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में देरी को लेकर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने नाराजगी जताई

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक चुनावों के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों की प्रदेश स्तरीय बैठक ली। इस दौरान संतोष ने जिला निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षकों वह संगठन के पदाधिकारियो पर नाराजगी जताते हुए कहां की अभी तक प्रदेश में ने तो पूरे मंडल अध्यक्ष बन पाए हैं और नहीं जिलाध्यक्ष आखिर प्रदेश में क्या चल रहा है। संगठन पर्व को लेकर प्रदेश के नेताओं ने गम्भीर नहीं होने पर नाराजगी जताई और उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के निर्वाचन की लिए आए दिन नई से नई तारीख बढ़ाई जा रही है लेकिन अभी तक न तो प्रदेश में पूरे मंडल अध्यक्षों का निर्वाचन हो चुका है और नहीं जिला अध्यक्ष बन पाए हैं आखिर इसका क्या कारण है जो कि अब तक संगठन पर्व पूरा नहीं हो सका। हालांकि बैठक में बताया जा रहा है कि संगठन पर्व को लेकर प्रदेश के नेताओं के गंभीर नहीं होने पर संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने काफी नाराजगी जताई और जल्द ही मंडल और जिला अध्यक्षों की घोषणा करने को कहा। बीएल संतोष ने नारायण पंचारिया को संगठन पर्व का काम पूरा नही होने पर नाराजगी जताई है। वही लगभग 12 जिलों के पर्यवेक्षकों ने काम पूरा होने के बाद भी अध्यक्षो को घोषणा नही होने पर काफी नाराजगी जताई। वही बीएल संतोष ने साफ शब्दों में कहा कि 50 प्रतिशत अध्यक्ष जहां पार्टी का प्रभाव कम है उन राज्यो के लिए है न कि राजस्थान व अन्य राज्यो के लिए नही हैं यहां तो पहले सभी जिलों के मंडल अध्यक्षो की घोषणा की जाए उसके बाद ही जिलाध्यक्षो की घोषणा की जाएगी।

बैठक के बाद राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, संगठन पर्व के संयोजक नारायण पंचारिया, और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रमुख ओंकार सिंह लखावत, संगठन पर्व के सह संयोजक हरिराम रणवां, सुशील कटारा, अरुण चतुर्वेदी और दामोदर अग्रवाल के साथ एक अलग से बैठक ली।

बैठक के बाद राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, संगठन पर्व के संयोजक नारायण पंचारिया, और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रमुख ओंकार सिंह लखावत, संगठन पर्व के सह संयोजक हरिराम रणवां, सुशील कटारा, अरुण चतुर्वेदी और दामोदर अग्रवाल के साथ एक अलग से बैठक ली। इस बैठक में प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने प्रदेश की कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थान में भाजपा का पुराना काम है और जनता भाजपा के कार्यों की प्रशंसा भी करती है। देश के अन्य राज्य राजस्थान के भाजपा संगठन से प्रेरणा लेते है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ मंडलों के चुनावी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, तो प्राथमिकता में राजस्थान को शत प्रतिशत मंडल रचना पूर्ण करनी चाहिए। संगठनात्मक बैठक के बाद राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पुर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ चर्चा की।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी दिनों में संविधान गौरव दिवस की परिकल्पना सबके समक्ष रखी। इसके साथ ही आए हुए पदाधिकारियों से आव्हान किया कि संविधान गौरव अभियान के माध्यम से कांग्रेस ने 60 साल में किस प्रकार संविधान से छेडछाड़ की और किस प्रकार से बाबा साहब अंबेडकर को प्रताड़ित किया, ये जनता को बताया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपने उद्बोधन में संगठन पर्व 2024 के तहत गत ढाईकृतीन माह से चल रहे कार्यक्रम की भूमिका रखी, साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारी को शानदार कार्य के लिए उत्साहवर्धन किया। बैठक में राष्ट्रीय मंत्री एवं सदस्यता प्रभारी रितुराज सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, संगठन पर्व प्रदेश संयोजक नारायण पंचारिया और सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रमुख ओंकार सिंह लखावत, सुशील कटारा और दामोदर अग्रवाल सहित सभी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

- बी.एल. संतोष ने जिला निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षकों से संवाद किया
- ‘पहले सभी जिलों में मंडल अध्यक्षों की घोषणा हो, उसके बाद ही जिलाध्यक्षों की घोषणा हो’

दुष्कर्म के मामलों में गर्भपात को लेकर गाइड लाइन बनाने की मंशा : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जानकारी के अभाव में बलात्कार पीड़िताओं के गर्भपात में देरी और कई बार प्रसव के समय पीड़िता किशोरियों की जान खतरे में पड़ने की स्थिति को गंभीरता दिखाई है। कोर्ट ने बलात्कार के मामलों में गर्भपात के लिए गाइडलाइन तय करने की मंशा जताते हुए केन्द्र और राज्य सरकार से 4 सप्ताह में जवाब देने को कहा। कोर्ट ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को पक्षकार बनाया है और अदालती कार्यवाही में सहयोग के लिए अधिवक्ता पल्लवी मेहता, प्रियांशा गुप्ता व सोनल गुप्ता को न्यायमित्र नियुक्त किया।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार से 4 सप्ताह में इस संबंध में जवाब मांगा

मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव व न्यायाधीश उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने स्वप्रेरणा से दर्ज जनहित याचिका पर यह आदेश दिया।

पुलिस सहित अन्य संबंधित एजेंसियां बलात्कार पीड़िता को गर्भपात संबंधी प्रावधानों की समय पर जानकारी नहीं देती है, जिससे कई बार प्रसव के समय नाबालिग पीड़िताओं की जान खतरे में पड़ जाती है। कोर्ट ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए यह जनहित याचिका दर्ज की थी। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी व महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद को सरकार का पक्ष पेश करने का आदेश दिया। वहीं इस तरह के मामलों में जागरुकता के लिए रालसा से पक्ष रखने कहा है।

दलित वर्ग की चिंताओं को दलित साहित्य में उठाने की जरूरत : आफरीदी

जयपुर। डॉ.अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष और पूर्व डीजी पुलिस डॉ.जसवंत सम्पतराम ने कहा है कि सरकारी नौकरियों में घटते अवसर और बढ़ते निजीकरण के दौर में दलितों का आरक्षण निष्प्रभावी होते जाने से संकट पैदा हो गया है। ऐसे में दलित साहित्य में यह दर्द उभरकर आना चाहिए। वे आज यहाँ राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ और सोसायटी के के संयुक्त तत्वावधान में दलित वैचारिकी और सृजन संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज भी दलित उत्पीड़न का दौर चल रहा है। दलित स्त्रियों और बच्चियों की सुरक्षा चिंताजनक है। दलित उत्पीड़न के प्रकरण न्यायालयों में ख़ारिज हो जाते हैं। राजकीय सेवाओं में आरक्षित एससी एसटी के रिक्त पद नहीं भरे जाते।

प्रलेस के कार्यकारी अध्यक्ष फारूक आफरीदी ने कहा कि दलित, आदिवासी,स्त्री और हाशिये के लोगों को एक ही श्रेणी में रखकर उनकी चिंताओं को दलित साहित्य में उठाने की जरूरत है। रास्ता लंबा है और इसे अनवरत जारी रखना होगा। ऐसे समाजों को ऊपर उठाने और उनमें चेतना जगाने की ज़िम्मेदारी लेखकों की है। प्रलेस की महासचिव और संयोजक रजनी मोरवाल ने कहा कि लेखक संघ स्त्रियाँ, दलितों के हितों के लिए सजग है और इसके लिए संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है। लेखक अपनी कहानियों,कविता और उपन्यासों के माध्यम से रचनात्मक योगदान कर रहे है। आदिवासी समाज को लेकर जल्दी ही एक सम्मेलन किया जाएगा।

राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ और सोसायटी के के संयुक्त तत्वावधान में दलित वैचारिकी और सृजन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर का किया उद्घाटन

जयपुर। हेल्प एण्ड सर्व चेरिटेबल ट्रस्ट एवं नगर निगम जयपुर हैरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में मकर संक्रांति के पर्व पर मांझे से घायल पक्षियों के उपचार के लिए रविवार को गलता गेट, दिल्ली बाईपास रोड पर नि:शुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया गया। हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव, भाजपा नेता और समाजसेवी रवि नैय्यर और हेरिटेज निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान ट्रस्ट संरक्षक अजय यादव (पूर्व पार्षद व चैयरमेन) और निदेशक नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि इस दौरान ट्रस्ट की रेस्क्यू टीम द्वारा मांझे से घायल 27 पक्षियों को रेस्क्यू किया गया और अपोलो कॉलेज की चिकित्सकीय टीम द्वारा उनका इलाज किया गया। ट्रस्ट द्वारा घायल पक्षियों को रेस्क्यू करवाने हेतु हेल्पलाइन नं. 7688966666 जारी किए गए। शिविर 15 जनवरी तक जारी रहेगा। इस मौके पर कौशल गुप्ता, नंदलाल शर्मा, किशन जांगिड़, लखन साहू, माया तंवर, हरजिंदर सिंह, अनिल जांगिड़, भंवर सिंह, नत्थू जांगिड़, गिर्राज शर्मा, गिरवर सिंह, रेखा जांगिड़, हेमा थापा, कोमल सैन, विशाल जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन की दृष्टि विकसित की जाए : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थियों के अंदर छिपे हुए वैज्ञानिक चिंतन के विकास में शिक्षण संस्थान अग्रणी रहकर कार्य करे। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन की दृष्टि विकसित किए जाने का आव्हान किया। उन्होंने भारत में विज्ञान की समृद्ध परंपरा की चर्चा करते हुए वैदिक ज्ञान के आलोक में विकसित भारत के निर्माण के लिए भी सभी को मिलकर कार्य करने का आव्हान किया।

राज्यपाल बागडे रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन शिविर के समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य स्तरीय विज्ञान शिविर में चयनित उन्होंने उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया।

बागडे ने राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा के राज्य स्तरीय शिविर में चयनित छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के अंदर छिपे वैज्ञानिक चिंतन को निकालने की दृष्टि से ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विज्ञान में भारत की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि हमें ऐसे बालकों का निर्माण करना है, जो अपने वैज्ञानिक आविष्कारों से राष्ट्र का गौरव बढ़ाएं।

- प्रतियोगिताओं में विजेता रही प्रतिभाओं का किया सम्मान

इससे पहले विज्ञान भारती राजस्थान के संगठन सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने विज्ञान शिविर और विभिन्न वैज्ञानिक अकादमिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज्य स्तरीय विज्ञान शिविर में 18 विद्यार्थियों हुआ है।

वहीं दूसरी ओर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि वहीं शिक्षा सार्थक है जो विद्यार्थी की शारीरिक, बौद्धिक तथा भावात्मक शक्तियों का विकास करे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगार योग्य बनाने की बजाय रोजगार देने वाले राष्ट्र निर्माता बनाए। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द को स्मरण करते हुए उनके आदर्श अपनाने का आव्हान किया।

बागडे रविवार को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में डिग्रियां और पदक प्रदान किए और नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालयों को ऐसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का निर्माण करने पर जोर दिया जिनसे विद्यार्थी अध्ययन के समय ही अपनी रूचि के व्यावसायिक कौशल में दक्ष हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा को सदैव "मनुष्य निर्माण" और "मनुष्य के चरित्र निर्माण" का माध्यम माना। उनका विश्वास था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में अच्छे संस्कार और चरित्र निर्माण के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया।

आरंभ में विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डा. ललित के पंवार और वाइस चेयरपर्सन डा. के. आर बगड़िया ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत किए जा रहे शैक्षिक कार्यों और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत नवाचारों के बारे में जानकारी दी।